सुनील गावस्कर ने बोर्ड पर दागा बड़ा सवाल

आखिर ये दोनों खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट क्यों नहीं खेल रहे, सवाल पूछकर मांगा जवाब

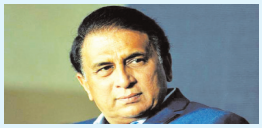

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से एक बड़ा सवाल पूछा है। यही नहीं, ये सवाल सिर्फ बीसीसीआई पर नहीं दागा गया है बल्कि उन दो खिलाड़ियों पर भी सवाल है जिनसे जुड़ा ये मुद्दा है। गावस्कर ने जिन दो दिग्गजों की बात की है, वो हैं महेंद्र सिंह धोनी और शिखर धवन। सुनील गावस्कर ने बीसीसीआई से पूछा है कि आखिर क्यों धोनी और धवन इस समय टीम इंडिया के साथ व्यस्त ना होने के बावजूद घरेलू क्रिकेट में नहीं खेल रहे हैं? गौरतलब है कि महेंद्र सिंह धोनी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं जबकि वो ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं थे। धोनी टेस्ट से रिटायर हो चुके हैं जबकि वो प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलते हैं। उधर, शिखर धवन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद वनडे सीरीज तक के लिए खाली हैं।

पहले टेस्ट के प्लेइंग इलेवन में तीन गेंदबाजों को टीम में चाहते हैं :जहीर

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने में अब सिर्फ 1 दिन का समय बचा है। टीम इंडिया एडिलेड की धरती पर पहुंच गई है जहां पर सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाना है। 71 सालों के इतिहास में टीम इंडिया कभी भी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने में नाकामयाब रही है. लेकिन इस बार पहली बार ऐसा लग रहा है कि भारत सीरीज जीतकर इस सूखे को खत्म कर लौट सकता है। ऐसा

ही कुछ मानना है टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान का। जहीर ने आजतक से खास बात करते हुए कहा कि इस बार भारतीय बल्लेबाजी में ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा दम है और बल्लेबाज भारत को टेस्ट सीरीज जिता सकते है। जहीर ने कहा, मैं समझता हूं भारत के पास बहुत अच्छा मौका है कि वो ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीतकर लौटे। भारत की बल्लेबाजी अनुभव और दूसरी चीजों के आधार पर भी ऑस्ट्रेलिया से बेहतर है। वहीं साथ ही जहीर ने ये भी कहा कि दोनों टीमों की तुलना में गेंदबाजी बराबर की है लेकिन बुमराह, शमी और उमेश यादव अगर पहले मैच में खेलते हैं तो ये अच्छा कॉम्बिनेशन होगा। जहीर बोले कि अगर हमारे बल्लेबाज पहली पारी में 350-400 रनों का प्लेटफॉर्म दें या फिर दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियन टोटल के नजदीक जाएं तो फिर गेंदबाजों के पास इतनी काबिलियत हैं कि वो अच्छा कर सकते हैं। वहीं विराट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, विराट पिछले कुछ सालों से हर सीरीज में एक बड़ा और लीडरशिप का रोल अच्छी तरह से अदा कर रहे है। इस सीरीज में भी वो अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला आज से

बतौर फेवरेट के उतरेगी टीम इंडिया

एडिलेड 05 दिसम्बर (ए)। आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला में उतरेगी तो उसका लक्ष्य विदेशी सरजमीं पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने का कलंक धोने और 70 वर्स में पहली बार यहां श्रृंखला जीतने का होगा। दक्षिण अफ्रीका में भारत को टेस्ट श्रृंखला में 1-2 और इंग्लैंड में 1- 4 से पराजय झेलनी पड़ी। विराट कोहली की टीम अब ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने में नाकामयाब रही है. लेकिन इस बार पहली बार ऐसा लग रहा है कि भारत सीरीज जीतकर विदेश में 'फ्लाप शो' का कलंक मिटाना चाहेगी। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के रूप में खुद को स्थापित कर चुके कोहली के लिये करिश्माई कप्तान कहलाने का भी यह श्रृंखला सुनहरा मौका है। ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर भारत ने अब तक 44 टेस्ट खेलकर सिर्फ पांच जीते हैं। पिछले 70 साल में 11 दौरों पर भारत ने दो बार श्रृंखला ड्रॉ कराई। पहले सुनील गावस्कर की कप्तानी में 1980-81 और फिर सौरव गांगुली के कप्तान रहते 2003-04 में। भारतीय टीम आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहेगी लेकिन 12 खिलाड़ियों में हनुमा विहारी और रोहित शर्मा की मौजूदगी संकेत है कि 20 विकेट लेने के लिये पांच गेंदबाजों को उतारने की रणनीति में बदलाव होगा। चोटिल हरफनमौला हार्दिक पंड्या की गैर मौजूदगी से टीम का संतुलन बिगड़ा है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया भी गेंद से छेड़छानी मसले में प्रतिबंध झेल रहे स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर की गैर मौजूदगी में कमजोर लग रही है। पंड्या की गैर मौजूदगी में अतिरिक्त बल्लेबाज की जगह रोहित शर्मा और हनुमा विहारी में से किसी एक को मिलना तय है। रोहित ने आखिरी बार टेस्ट क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका में खेला था और पांचवें नंबर पर उतरकर चार पारियों में 78 रन ही बना सके थे। हालांकि रोहित ने लंबे समय से रेड बॉल क्रिकेट नहीं खेली है ऐसे में सीमित ओवरों की क्रिकेट के मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। वहीं हनुमा विहारी ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में प्रभावी रहे थे और करियर का पहला अर्धशतक जमाया था। वहीं गेंदबाजी करते हुए उन्होंने तीन विकेट भी झटके थे। ऐसे में चार गेंदबाजों के साथ उतर रही टीम इंडिया हनुमा को रोहित पर वरीयता उनकी गेंदबाजी क्षमता को ध्यान में रखकर दे सकती है। भारत के सामने दो मसले हैं। सबसे पहला तो बल्लेबाजी में कप्तान कोहली पर निर्भरता कम करनी होगी। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट में 286 रन बनाये। चेतेश्वर पुजारा 100 रन ही बना सके जबकि मुरली विजय ने 102 और केएल राहुल ने दो टेस्ट में 30 रन बनाये।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

- **भारत :** विराट कोहली (कप्तान), केएल राहुल, मुरली विजय, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, रोहित शर्मा, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत, आर अश्विन, ईशांत शर्मा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी।
- **ऑस्ट्रेलिया:** टिम पेन (कप्तान), मार्कस हैरिस, एरोन फिंच, उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड, शॉन मार्श, पीटर हैंडस्कॉब, नॉथन लॉयन, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड।

विराट कोहली परेशान,पहले टेस्ट में कैसा होगा बॉलिंग लाइनअप?

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। ऑस्ट्रेलिया में प्रैक्टिस मैच की झलकियां देखकर ये तो समझ आ गया कि विराट कोहली ने गेंदबाजी में अपने 'ट्रंपकार्ड्स' को नहीं खोला। उन्होंने पूरे मैच में भुवनेश्वर कुमार से एक ओवर भी गेंदबाजी नहीं कराई। जसप्रीत बुमराह ने 1.1 ओवर फेंका और कुलदीप यादव से विराट कोहली ने सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी कराई। हाल के दिनों में ऐसा देखने में आया है कि जब विरोधी टीम के कप्तान अपने

मुख्य गेंदबाजों को प्रैक्टिस मैच में 'एक्सपोज' नहीं करते। विराट ने इसी 'थ्योरी' को अपनाया लेकिन उनकी इस थ्योरी की कामयाबी कुछ रोज बाद पता चलेगी जब टीम इंडिया 6 दिसंबर से एडिलेड में पहला टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। संकट इस बात का है कि अपने 'ट्रंपकार्ड्स' के अलावा विराट कोहली ने जो भी पत्ते चले उसमें से कोई भी काम नहीं आया। ये हालत तब हुई जब ऑस्ट्रेलियाई टीम में एकाध खिलाड़ी को छोड़कर किसी को भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का तजुर्बा नहीं है। मोहम्मद शामी को छोड़ दिया जाए तो बाकि के गेंदबाजों ने प्रैक्टिस मैच में अपना असर नहीं छोड़ा। मोहम्मद शामी ने 24 ओवरों में 97 रन देकर तीन विकेट लिए। उनके अलावा बाकी गेंदबाजों पर अपेक्षाकृत नौसिखिए बल्लेबाजों ने रन बनाए। इन गेंदबाजों को उम्मीद के मुताबिक विकेट भी नहीं मिले। बाद में मौजमस्ती के लिए विराट कोहली और मुरली विजय ने भी गेंदबाजी की लेकिन विराट कोहली जानते हैं कि टेस्ट सीरीज में ऐसी मौज मस्ती नहीं बल्कि पांच तगड़े गेंदबाजों की जरूरत होगी। फिलहाल प्रैक्टिस मैच में गेंदबाजी के आंकड़े देखते हैं।

इस गेंदबाजी से तो बढ़ जाएगी विराट की टेंशन

प्लेइंग 11 का पेंच कुछ ऐसा है कि भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह के अलावा उमेश यादव और ईशांत शर्मा में से किसी एक गेंदबाज को प्लेइंग 11 में मौका मिलेगा। इसी तरह अगर कुलदीप यादव का प्लेइंग 11 में खेलना तय है तो आर अश्विन या रवींद्र जडेजा में से भी कोई एक खिलाड़ी ही मैदान में उतरेगा। प्रैक्टिस मैच में गेंदबाजों की लाइन लेंथ देखकर ही विराट कोहली को इस बात का फैसला करना था लेकिन ये आंकड़े इस बारे में उनकी मदद नहीं कर पाएंगे। अब विराट कोहली को दूसरी बातों का ध्यान रखना होगा जो सीधे तौर पर खिलाड़ियों की उपयोगिता से जुड़ी हुई है।

गेंदबाजों का सही कॉम्बिनेशन है बहुत जरूरी

इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में विराट कोहली के चुने प्लेइंग 11 पर उंगलियां उठी थीं। उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेइंग 11 चुनते वक्त विराट कोहली सतर्क रहेंगे। ये बात उन्हें भी पता है कि हाल के दिनों में विदेशी पिचों पर भारतीय टीम के बेहतर प्रदर्शन में उनके गेंदबाजों का रोल कितना बड़ा रहा है। इस साल की शुरुआत में भारतीय टीम के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने मेजबान टीम के खिलाड़ियों को हर टेस्ट मैच में ऑल आउट किया। जिसके बाद ये उम्मीद बंधी की अब टीम इंडिया विदेशी पिचों पर भी टेस्ट सीरीज जीत सकती है।

ऑस्ट्रेलिया में 'फ्लाप शो' का कलंक मिटाने उतरेगी विराट ब्रिगेड

एडिलेड 05 दिसम्बर (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में उतरेगी, तो उसका लक्ष्य 71 वर्षों में पहली बार कंगारुओं की धरती पर सीरीज जीतना होगा. एडिलेड टेस्ट भारतीय समयानुसार सुबह 5.30 शुरू होगा। दक्षिण अफ्रीका में भारत को टेस्ट सीरीज में 1-2 और इंग्लैंड में 0-4 से पराजय झेलनी पड़ी। विराट कोहली की टीम अब ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की सीरीज जीतकर विदेश में 'फ्लाप शो' का कलंक मिटाना चाहेगी। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के रूप में खुद को स्थापित कर चुके कोहली के लिए करिश्माई कप्तान कहलाने का भी यह सीरीज सुनहरा मौका है। ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर भारत ने अब तक 44 टेस्ट खेलकर सिर्फ पांच जीते हैं। पिछले 71 साल में 11 दौरों पर भारत ने दो बार सीरीज ड्रॉ कराई। पहले सुनील गावस्कर की कप्तानी में 1980-81 और फिर सौरव गांगुली के कप्तान रहते 2003-04 में। भारतीय टीम आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहेगी, लेकिन 12 खिलाड़ियों में हनुमा विहारी और रोहित शर्मा की मौजूदगी संकेत है कि 20 विकेट लेने के लिए पांच गेंदबाजों को उतारने की रणनीति में बदलाव होगा। चोटिल हरफनमौला हार्दिक पंड्या की गैर मौजूदगी से टीम का संतुलन बिगड़ा है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया भी गेंद से छेड़छाड़ मसले में प्रतिबंध झेल रहे स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर की गैर मौजूदगी में कमजोर लग रही है। पंड्या की गैर मौजूदगी में अतिरिक्त बल्लेबाज की जगह रोहित शर्मा को मिलना तय है।

हॉकी का बुरा हाल देख लगता है क्रिकेट ही खेला होता: सरदार

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। एक जमाने में दिग्गज रही पाकिस्तान हॉकी टीम अब अपना वजूद बनाए रखने के लिए जूझ रही है। ओलंपिक चैम्पियन पूर्व कप्तान हसन सरदार ने कहा कि खेल की मौजूदा दशा देखते हुए क्रिकेट खेलना बेहतर होता। पाकिस्तान की 1982 विश्व कप और 1984 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य रहे सरदार ने कहा कि क्रिकेट के बढ़ते कद और पीएचएफ के गैर पेशेवर रवैये के कारण पाकिस्तान में हॉकी धीरे-धीरे खत्म हो रही है। सरदार ने प्रेस ट्रस्ट से कहा ,'पाकिस्तान में अब कोई हॉकी संस्कृति नहीं बची है। अब लोग क्रिकेट को ज्यादा पसंद करते हैं और देखते हैं। मुझे लगता है कि यदि मैं अभी बच्चा होता और हॉकी में अच्छा होता, तो भी मैं क्रिकेट खेलना पसंद करता' विश्व कप खेल रही पाकिस्तानी टीम के मैनेजर सरदार ने कहा कि पाकिस्तानी हॉकी में पिछले कुछ अर्से से नायक नहीं निकले हैं। उन्होंने कहा,'अब बच्चे नायक तलाशते हैं। उन्हें रोल मॉडल चाहिए, जो हॉकी में पिछले कुछ अर्से से नहीं मिले हैं।

गौतम गंभीर के सन्यास पर क्रिकेटर्स ने दिया ऐसा रिएक्शन

शाहरुख भी बोले 'थैंक्स'

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। भारत के लिए टी-20 (2007) और साल 2011 के वर्ल्डकप फाइनल में मैच जिताऊ पारी खेलने वाले स्टार ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। गौतम गंभीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपने संन्यास का एलान किया। भारत के लिए टी-20 (2007) और साल 2011 के वर्ल्डकप फाइनल में मैच जिताऊ पारी खेलने वाले स्टार ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। गौतम गंभीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपने संन्यास का ऐलान किया। गंभीर के संन्यास के बाद देश के क्रिकेटरों समेत आईपीएल में लंबे वक्त तक गंभीर के फ्रेंचाइज रहे शाहरुख खान ने भी उन्हें शानदार करियर के लिए बधाई संदेश दिए। आइये जानें किस-किस ने क्या कहा। गंभीर के संन्यास के बाद देश के क्रिकेटरों समेत आईपीएल में लंबे वक्त तक गंभीर के फ्रेंचाइज रहे शाहरुख खान ने भी उन्हें शानदार करियर के लिए बधाई संदेश दिए।

आइये जानें किस-किस ने क्या कहा

- शाहरुख ने लिखा, 'इतने प्यार और बेहतरीन कहानी के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया कप्तान। तुम एक खास शख्स हो अल्लाह हमेशा तुम्हें खुश रखे और तुम थोड़ा और मुस्कुरा सकते हो।
- गंभीर के साथी रहे भज्जी ने लिखा,आगे बढ़ने के लिए मैं तुम्हे बहुत सारी शुभकामनाएं देता हूं। तुम एक बेहतरीन चैम्पियन और देश के लिए लड़ने वाले हो बहुत प्यार
- गंभीर के साथ इंडिया और आईपीएल में केकेआर के लिए खेले बालाजी ने लिखा, एक शानदार करियर के लिए बहुत बहुत बधाई गंभीर, तुम्हे तुम्हारे भविष्य के लिए शुभकामनाएं।
- तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने गंभीर के सन्यास वाले वीडियो का जिक्र करते हुए कहा, ये बहुत ही प्रेरणा देने वाला वीडियो है गौती भाई, बतौर खिलाड़ी ही नहीं, बतौर इंसान भी आपसे बहुत कुछ सीखा। शुक्रिया भाई।
- दिल्ली के गंभीर के साथी स्पिनर अमित मिश्रा ने कहा, मेरे पास तुम्हारे साथ की बहुत सी यादें हैं, हमने साथी में कई बार क्रिकेट खेला। तुम एक सच्चे योद्धा हो, तुम्हारा करियर शानदार रहा। मैं तुम्हे भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं
- स्पिनर मुरली कार्तिक ने लिखा, मैं शाम को गंभीर के साथ ही था लेकिन उन्होंने ये एहसास नहीं होने दिया कि उन्होंने अपने करियर को लेकर इतना बड़ा फैसला कर लिया है। शानदार करियर, तुम हमेशा जज्बे के साथ खेले। खेल को इतना कुछ देने के लिए बहुत बहुत शुभकामनाएं
- वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा, बेहतरीन करियर के लिए बहुत बहुत बधाई गौतम, मैदान पर तुम जिस तरह से खेले उसके लिए तुम्हे गर्व होना चाहिए। जो भी यादगार पल हमने साथ में बिताए उनका मैंने लुत्फ उठाया। उम्मीद करता हूं कि तुम अपने तरीके से देश को अपनी सेवाएं देते रहोगे। दिल से और देश के लिए कई मैच जिताऊ पारियां खेली।

लक्ष्मण ने बताई दिल की बात, बोले साल 2007 में सिडनी टेस्ट के बाद वापस लौटना चाहता था भारत

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। टीम इंडिया के पूर्व कलात्मक बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने मंगलवार को 2007-08 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर हुए मंकी गेट प्रकरण की यादें ताजा की। लक्ष्मण ने कहा कि वह चाहते थे कि इस प्रकरण के बाद तुरंत टीम इंडिया सिडनी से वापस लौट जाए। वीवीएस लक्ष्मण यहां राजधानी में अपनी किताब 281 एंड बियोंड के लांच के मौके पर पहुंचे थे। लक्ष्मण ने कहा कि वह उनमें से एक थे जो चाहते थे कि टीम इंडिया इस प्रकरण के बाद तुरंत स्वदेश लौट जाए, लेकिन अनिल कुंबले ने तब अच्छी नेतृत्व क्षमता दिखाई और सब कुछ संभाल लिया। भारत उस सीरीज में यह सिडनी टेस्ट हार गया था। तब हरभजन सिंह और एंड्रयू सायमंड्स के बीच जुबानी जंग हुई थी, जो बाद में बड़ा विवाद बना। उन्होंने कहा कि सिडनी में जो कुछ भी हुआ, उसके बाद हमारे लिए पर्थ की जीत मायने रखती थी। उस मैच में अंपायरों ने कई फैसले हमारे खिलाफ दे दिए थे। लक्ष्मण की आत्मकथा का हाल ही में विमोचन किया गया, जिसमें उन्होंने रहस्योद्घाटन किया है कि चैपल के कार्यकाल के दौरान टीम दो या तीन गुटों में बंट गई थी और आपस में विश्वास की कमी थी। लक्ष्मण ने लिखा कि कोच के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी थे, जबकि बाकी खिलाड़ियों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता था। टीम हमारी आंखों के सामने ही बंट गई थी। ग्रेग का पूरा कार्यकाल ही कड़वाहट का कारण था। भारतीय टीम के साथ इस ऑस्ट्रेलियाई कोच का विवादास्पद कार्यकाल मई 2005 से अप्रैल 2007 तक रहा। लक्ष्मण ने कहा कि चैपल ने टीम को तोड़ दिया था।